Newspaper Clips

November 7-9, 2016

November 9

Economic Times(Hindi) ND 09.11.2016 P-1

IIT दिल्ली, बॉम्बे से ही कैंपस हायरिंग करेगी गूगल

| प्राची वर्मा | नई दिल्ली |

गूगल फ्रेश टैलेंट हायरिंग के लिए पिछले एक दशक से आईआईटी कैंपस जाती रही है। वह इस बार भी कैंपस प्लेसमेंट के लिए आईआईटी जाएगी, लेकिन सिर्फ दिल्ली और बॉम्बे कैंपस का दौरा करेगी।

ऐसी बात नहीं है कि गूगल दूसरे आईआईटी से ग्रेजुएट्स हायर नहीं करना चाहती। उसे तो इसका भरोसा है कि प्रीमियम इंजीनियरिंग स्कूलों से एप्लिकेंट्स अट्रैक्ट करने के लिए उसका दुनिया की टॉप टेक्नोलॉजी कंपनियों में एक होने का रिप्यूटेशन काफी होगा। गूगल आईआईटी खड़गपुर, कानपुर, मद्रास, गुवाहाटी और दूसरे आईआईटी में कैंपस प्लेसमेंट के लिए नहीं जाकर परंपरा तोड़ रही है। कंपनी अब इंजीनियरिंग स्कूलों में जाने के बजाय सीधे टैलेंट हायर करेगी। आईआईटी को ऐसी ऑफ कैंपस हायरिंग नापसंद है, लेकिन अगर गूगल जैसी दिग्गज कंपनी सिर्फ दिल्ली और बॉम्बे कैंपस में हायरिंग करना चाहती है तो उनके पास ज्यादा ऑप्शन भी नहीं हैं। आईआईटी दिल्ली के एक अधिकारी ने बताया, 'कंपनी ने यह फैसला किया है कि वह हायरिंग के लिए ऑफ कैंपस रूट अपनाएगी। ज्यादातर आईआईटी इससे सहमत हैं, लेकिन दिल्ली और बॉम्बे में अलग-अलग कैंपस हायरिंग प्रोसेस है।' आईआईटी बॉम्बे के सूत्र ने बताया, 'हम ऑफ कैंपस प्लेसमेंट को बढ़ावा नहीं देते।' इंजीनियरिंग स्कूल नहीं चाहते कि कंपनियां सीधे हायरिंग करें क्योंकि इससे बाकी सबका हायरिंग प्रोसेस बिगड़ जाता है। आईआईटी दिल्ली के सूत्र ने कहा, 'स्टूडेंट्स प्लेसमेंट के दौरान एक साथ दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।' इस बारे में गूगल ने कमेंट करने से मना कर दिया। कंपनी के प्रवक्ता ने ईमेल में लिखा है, 'कंपनी की पॉलिसी हमें कैंपस/हायरिंग आउटरीच प्रोग्राम पर कमेंट करने की इजाजत नहीं देती।' सूत्रों ने बताया कि कंपनी और आईआईटी स्टूडेंट्स ने एक दूसरे को सीधे अप्रोच करना शुरू कर दिया है। ऑफ कैंपस हायरिंग का ट्रेंड मैकिंजी ने पिछले साल शुरू किया था। मैनेजमेंट कंसल्टेंट फर्म ने एल्युमनी नेटवर्क, वेबसाइट और सोशल मीडिया के जरिए आईआईटी दिल्ली के लगभग 10 ग्रेजुएट्स हायर किए थे। आईआईटी स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा सैलरी गूगल ऑफर करती रही है। वह इंटरनेशनल पोस्टिंग के लिए 1-2 करोड़ से ऊपर सैलरी देती रही है।

Business Standard(Hindi) ND 09.11.2016 P-05

दोषारोपण नहीं ठोस कदम

दिल्ली अपने वायु प्रदूषण के लिए पहले से कुख्यात थी लेकिन इस वर्ष तो काले धुएं से मिली धुंध (स्मॉग) और कोहरे ने हालात की गंभीरता एकदम उजागर कर दी। लोगों को चेहरे पर मास्क पहनने पड़े और हवा शुद्ध करने वाले उपकरण खरीदने पड़े। शहर के कई इलाकों में हवा में जोखिम वाले कण (पीएम 10 और पीएम 2.5) 999 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के उच्चतम माप योग्य स्तर पर पहुंच गया। छोटे कणों पीएम 2.5 का सुरक्षित स्तर केवल 60 माइक्रोग्राम है जबकि पीएम 10 के लिए यह 100 माइक्रोग्राम है। इस स्तर तक ये फेफड़ों, श्वसन प्रणाली तथा अन्य अंगों के लिए नुकसानदेह नहीं हैं। यह बात ध्यान देने लायक है कि वायु प्रदूषण अब चार सबसे बड़े जानलेवा कारकों में से एक है। अन्य हैं उच्च रक्तचाप, धूम्रपान और खराब पोषण। गत वर्ष स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति ने वायु प्रदूषण को बचपन के निमोनिया, दमा, दिल की बीमारियों, फेफड़ों की तकलीफ, कैंसर और रक्षण तंत्र की कमजोरी से जोड़ा था।

बहरहाल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर को गैस चैंबर कह दिया जबकि पर्यावरण मंत्री अनिल माधव दवे ने हालात को आपात घोषित किया, इसके अलावा दोनों सरकारों ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद स्कूल बंद करने, कुछ खास सड़कों की वैक्यूम क्लीनिंग और पानी के छिड़काव जैसे तदर्थ उपाय ही अपनाए गए। पुराने डीजल वाहनों का पंजीयन खत्म करना ही इकलौता दीर्घकालिक उपाय है। राष्ट्रीय हरित पंचाट भी इसकी वकालत कर चुका है। हालांकि इसके साथ ही भारत-तीन और भारत-4 मानक वाले वाहनों की जगह उन्नत वाहन भी लाए जाने थे लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र सरकार आईआईटी दिल्ली के उस अध्ययन पर अमल करने से क्यों चूक गई जिसमें उसने अनुशंसा की थी कि वर्ष 2016 से 2023 के लिए एक व्यापक सालाना योजना तैयार की जाए ताकि वायु प्रदूषण के सभी स्रोतों का पता लगाया जा सके।

गत सप्ताहांत दिल्ली के आकाश पर आच्छादित स्मॉग की तात्कालिक वजह पड़ोसी राज्यों में फसलों का जलाया जाना था। हवा के न चलने से हालात और खराब हो गए। कम ही लोगों ने इस बारे में सोचा होगा कि वायु प्रदूषण भौगोलिक सीमाओं के बारे में नहीं सोचता। केंद्र और पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। पंजाब और हरियाणा ने ऐसे कानून बना रखे हैं जिससे इस पर अंकुश लगाया जा सके। लेकिन यह भी सच है कि इनका प्रभावी क्रियान्वयन राजनीतिक वजहों से नहीं हो पाता है। क्योंकि ऐसा करने से ग्रामीण वोट बैंक नाराज हो जाएगा। दिल्ली सरकार केवल दूसरों पर दोषारोपण नहीं करती रह सकती। सच यह है कि 80 फीसदी से अधिक प्रदूषक स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होते हैं और पड़ोसी राज्यों का धुआं तो तीसरा बड़ा कारक मात्र है। पहले दो कारण हैं धूल और वाहनों से होने वाला प्रदूषण। वायु प्रदूषण की कई अन्य वजहें भी हैं मसलन शहरी कचरे और पत्तियों आदि को जलाना, शहर की सीमा के भीतर कचरे के ढेरों की मौजूदगी और वहां अक्सर आग लगने से विषाक्त गैसों का वातावरण में फैलना, सड़कों की हाथ से होने वाली सफाई जिससे हवा में धूल फैलती है। अस्वच्छ घरेलू ईंधन का प्रयोग और ताप बिजली घरों की मौजूदगी। सरकार को चाहिए के आरोप प्रत्यारोप का खेल बंद करे और कानूनी और प्रशासनिक कदमों की मद से प्रदूषण को थामने का प्रयास करे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र रहने योग्य नहीं रह जाएगा।

Hindustan Times ND 09.11.2016 P-17

Startups stay away from IIT placements this year

Rozelle Laha
rozelle.laha@hindustantimes.com

NEW DELHI: Startups seem to have lost the flavour among IIT-ians.

This year, the Indian Institutes of Technology (IITs) saw an over 40% drop in the number of start-ups signing up for final placements, compared to last year.

At IIT Guwahati, 15 startups have registered so far, against 40 last year. The list includes names like Headout, Rivigo and Shop101. IIT Madras has seen 54 startups getting registered, compared to 98 last year. The difference is startling in case of IIT Kharagpur—only 10 have signed up for this year's placement process so far, from 70 last year.

IIT Madras' training and placement adviser, professor Manu Santhanam, said the ban on 30 startups earlier in the year for reneging on job offers could be the reason for the lack of interest.

"There is a market decline (in value) of startups and cautious policy adopted by the AIPC (The All-IIT Placement Committee) to secure candidates' future," said professor Debasis Deb, chairman of career development centre at IIT Kharagpur.

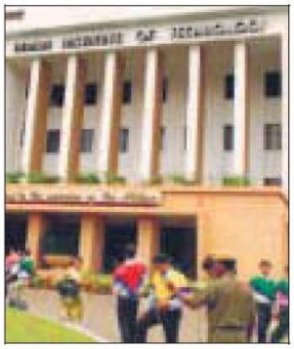

IIT Kharagpur campus MINT FILE

E-commerce giants Amazon and Snapdeal, however, will hire extensively from these institutes. In fact, Amazon India is likely to increase the number of offers. "We will continue to hire aggressively as we grow our business in India. We are looking to expand our hiring from IITs," said Raj Raghavan, director, Asia human resources (HR) leader at Amazon.

Amazon India has already registered at 15 IITs, including Bombay, Hyderabad, Kharagpur, Delhi, Kanpur, Madras, Mandi, Jodhpur, Indore, BHU, Dhanbad, Guwahati, Patna, Ropar and Roorkee. The company hires around 100 graduates from IITs every year.

Snapdeal is in the process of registering for IIT placements. "We will continue to hire for niche and specific roles from IITs (25 to 30 graduates), according to our planned needs this year, said Saurabh Nigam, vice-president, HR, Snapdeal.

Flipkart, too, has started registering for placements, IIT officials said. The company, however, did not confirm the move.

The fact that students are now looking for stable job opportunities could also be driving the trend of less interest in startups, AIPC convener Professor Kaustubha Mohanty said.

October 8

Cloud-seeding an impractical measure to reduce Delhi smog, say experts

http://zeenews.india.com/environment/cloud-seeding-an-impractical-measure-to-reduce-delhi-smog-say-experts_1947496.html

New Delhi: People in Delhi are presently grappling with the heavy smog that has taken over the city post Diwali celebrations.

The national capital's pollution levels were already bordering on hazardous before Diwali and after the festival, the air quality took on that very standard.

Residents have since been complaining of respiratory issues like asthma, bronchitis, difficulty in breathing and other allergies.

The pressure on the government is definitely mounting and because the matter requires desperate measures, Delhi CM Arvind Kejriwal suggested cloud seeding.

On Monday, Delhi environment minister Imran Hussain urged Union environment minister Anil Madhav Dave to "bring artificial rain technology like other countries do," as per a report in the Economic Times.

However, cloud seeding may not be the proper solution for the kind of weather conditions Delhi is currently facing.

"You need more moisture to do cloud seeding. I think it's an impractical idea because cloud seeding may not be possible in such a large area. The smog may return in a day or two because emissions will continue. Plus, there will be additional emissions from the aircraft used," said professor Manju Mohan of Centre for Atmospheric Sciences, IIT Delhi, told the Economic Times.

Indian Institute of Tropical Meteorology, Pune, has a cloud seeding and weather modification programme, and scientists from there have been testing physical problem of aerosol particles all over Delhi. "Moisture can be a tricky issue in Delhi. The relative humidity should be between 80% and 90%, but that alone is not enough. We need to understand what the pollution particles in Delhi are like. What are their chemical and physical properties? These particles may not be able to form rain drops like clouds do," said a scientist.

He added that even if pollutants are washed out, relief would be short-term as emission would continue. The nature of pollutants would also determine the environmental impact of rains that wash down these. "Acid rain is not common any more, but we need to study what are these pollutants," he added, The Economic Times further reported.

Furthermore, the total cost of a single cloud-seeding exercise could range between Rs 10 crore and Rs 12 crore, including the cost of the aircraft, radar technology and other equipment.

Def aerospace R&D centre: Work to begin at IIT-Bombay

http://timesofindia.indiatimes.com/city/mumbai/Def-aerospace-RD-centre-Work-to-begin-at-IIT-Bombay/articleshow/55300770.cms

MUMBAI: The foundation stone for construction of the advanced defence-related aerospace research and development centre (Centre of Propulsion Technology) will be laid on IIT-Bombay premises on Friday, in the presence of defence minister Manohar Parrikar, Defence Research and Development Organization (DRDO) director, and IIT-B and IIT-Madras directors.

The MoU was signed last year after DRDO decided to finance over Rs 400 crore into IIT-B and IIT-M to kick-start advanced defence-related aerospace research and development.

A defence official said products and technology under development include aircraft that can morph into a missile, gas turbine engines used to run aircraft and missile propulsion and hypersonics that enable flights to go at several times the speed of sound. "PhD students will take over the project for DRDO to do research and build aeronautical-related equipment. IIT-B will be the administrative headquarters for the new CoPT."

The official said at IIT-M, this centre has 45 faculty across eight departments participating in the project, while at IIT-B, 25 faculty across departments will participate in the research being conducted for the first time in India.

Dainik Bhaskar ND 08.11.2016 P-4

सितंबर तिमाही में टॉप-4 आईटी कंपनियों की हायरिंग 43% घटी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश की चार बड़ी आईटी कंपनियों की हायरिंग में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान 43 फीसदी गिरावट देखने को मिली है। जुलाई से सितंबर में इन कंपनियों ने 14,421 लोगों को नौकरी दी है। पिछले साल इसी तिमाही में इन कंपनियों ने 25,300 लोगों को नौकरियां दी थीं।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही की बात करें तो इन कंपनियों की हायरिंग में 24 फीसदी की गिरावट आई है। इन्होंने अप्रैल से सितंबर के दौरान 29,686 को नौकरी पर रखा है। पिछले साल इसी छमाही में इन कंपनियों ने 39,060 लोगों को नौकरी पर रखा था।

यह दावा कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपने एक रिसर्च नोट में किया है। इसके मुताबिक इन कंपनियों की हायरिंग में गिरावट कारोबार बढ़ने की रफ्तार में सुस्ती के कारण देखने को मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि यह गिरावट चौंकाने वाली नहीं है। इसमें गिरावट का रुझान पहले से बना हुआ है। इन आईटी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे कमजोर रहे हैं। ग्रोथ की रफ्तार हाल के समय में सबसे कम है। इनके प्रदर्शन में सुस्ती मैक्रो-एन्वायर्नमेंट बिगड़ने के कारण दिख रही है। हाल की कुछ तिमाहियों के दौरान प्रोजेक्ट टलने और अनिश्चितता के चलते सभी क्षेत्रों में इसका असर देखने को मिल रहा है।

- जुलाई से सितंबर के दौरान 14,421 लोगों को नौकरियां
- एक साल पहले समान तिमाही में 25,300 था यह आंकड़ा
- कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के रिसर्च नोट में दावा

इसके अलावा कुछ बड़े क्लाइंट्स खासकर वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र वाले जो ग्राहक हैं वे अपने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और मैंटेनेंस का काम या तो अपने खुद के कैप्टिव सेंटरों पर या फिर इन-सोर्सिंग वर्क की ओर शिफ्ट कर रहे हैं, इसका भी असर है।

October 7

Dainik Jagaran ND 07.11.2016 P-6

विज्ञान एवं तकनीक के विकास पर निर्भर है देश का भविष्य : राव

आइआइटी के 47 वें दीक्षांत समारोह में सेल्फी लेती छात्रा।

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : देश का भविष्य विज्ञान व तकनीक के विकास पर निर्भर करता है। सरकार को चाहिए की वो देश के विकास के लिए विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र की बेहतरी के लिए काम करें। देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) जैसे शिक्षण संस्थान इस इस दिशा में प्रयासरत है और अच्छा काम भी कर रहे है लेकिन जरूरत है कि उनकी फैकल्टी व वित्त पोषण की समस्याओं पर गौर किया जाए। यह कहना है भारत रत्न प्रोफेसर सीएनआर राव का। उन्होंने अपने यह विचार रविवार को आइआइटी, दिल्ली के 47वें दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में कहे।

मुख्य अतिथि के तौर पर इस समारोह में शामिल हुए प्रोफेसर राव ने कहा कि आइआइटी को एमआइटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) की तर्ज पर आगे लाना होगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि आइआइटी की डिग्री कोई डिग्री नहीं बल्कि यह एक ब्रांड है। आज विदेशों में भी आइआइटी की पहचान है। विश्व में बदलाव के चलते विज्ञान व तकनीकी में खूब बदलाव आया है। अगर नए अविष्कारों व गुणवत्ता को बनाए रखना है तो सरकार को आइआइटी जैसे संस्थानों का हर मोर्चे पर सहयोग करना होगा। यह जरूरी नहीं है कि सीटों की संख्या ही बढ़ाई जाए, बल्कि यहां अध्ययन अध्यापन की गुणवत्ता को बरकरार रखना भी जरूरी है। प्रो. राव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप कोई भी नौकरी करें सफलता के लिए मेहनत जरूरी है और इसके लिए हर काम को चुनौती की तरह लें।

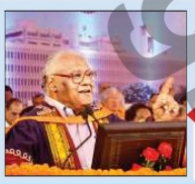

- आइआइटी के 47वें दीक्षांत समारोह में 1964 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गई
- दिमाग एक पैराशूट की तरह है जो अधिकतम श्रेष्ठ कर सकता है: बिरला

आइआइटी के 47 वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते मुख्य अतिथि भारत रत्न से सम्मानित प्रो. सीएनराव। जागरण

दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 1964 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। इसमें 264 छात्र पीएचडी के थे। छात्र रघुवंश राज सक्सेना को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल, पूराज कुर्देसिया को डायरेक्टर गोल्ड मेडल, कंधलागुंटा श्रीधर रेड्डी व अभिनव गुप्ता को डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड अवार्ड दिया गया।

इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिरला ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हमें खुले दिमाग से चीजों को करने की जरूरत होती है क्योंकि दिमाग एक पैराशूट की तरह है जो अधिकतम श्रेष्ठ कर सकता है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर रामगोपाल राव ने कहा कि आइआइटी दिल्ली का क्यूएस रैंकिंग में 185वां स्थान है तथा अपनी वैश्विक रैंकिंग में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है।

Amar Ujala ND 07.11.2016 P-5

भारत में प्रवेश परीक्षा की प्रणाली खराब : प्रो. राव

कहा, आईआईटी समेत अन्य प्रवेश परीक्षा के लिए अमेरिकी प्रणाली अपनाने की जरूरत

सीमा शर्मा

नई दिल्ली।

भारत में उच्च शिक्षा के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा की प्रणाली बेहद खराब है। दो-दो प्रवेश परीक्षा में पास होने के लिए छात्र कोचिंग का सहारा लेते हैं। लिहाजा, तनाव बढ़ने से आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं। आईआईटी समेत अन्य प्रवेश परीक्षा प्रणाली को अमेरिका की तर्ज पर एक परीक्षा में बदलने की जरूरत है। जहां सिर्फ एक परीक्षा से छात्र की प्रतिभा परख ली जाती है। आईआईटी जिसे रिजेक्ट करता है, अमेरिका उसे अपना लेता है। यह कहना है वैज्ञानिक व प्रोफेसर सीएनआर राव का।

आईआईटी दिल्ली में दीक्षांत समारोह में भाग लेने पहुंचे प्रो. राव ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में कहा कि आईआईटी में दाखिला लेने के लिए छात्र कोचिंग का सहारा लेते हैं।

वहां तनाव बढ़ने से ही आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इसमें कोचिंग सेंटर का दोष नहीं है, बल्कि प्रवेश परीक्षा प्रणाली में कमी है। हमें शिक्षा को ज्ञान पर फोकस करना होगा।

विदेशी फैकल्टी लाना गलत

प्रो. राव के मुताबिक, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में शामिल होने के लिए सरकार आईआईटी में विदेशी फैकल्टी को लाने जा रही है, जो गलत है। भारत में एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक व विशेषज्ञ हैं। मैं आईआईटी में हूं, क्योंकि मेड इन इंडिया हूं। लेकिन कैलिफोर्निया, येल, एमआईटी या बर्कली से कोई विशेषज्ञ आईआईटी क्यों आना चाहेगा? उन्होंने कहा कि अगर विदेशी फैकल्टी भारत आती है तो वे यहां के विशेषज्ञों के बॉस बन जाएंगे। हमें अपनी गुणवत्ता को बढ़ाने पर फोकस करना चाहिए।

सरकार के दखल से ब्रांड पर धक्का

प्रो. राव ने कहा कि सरकार का दखल बढ़ने से आईआईटी अब ब्रांड नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग कॉलेज बन रहे हैं। यहां छात्रों की संख्या की बजाय गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देना होगा। स्टार्टअप अच्छा आइडिया है, लेकिन फैकल्टी को आजादी भी मिले, ताकि वे कैमिकल, नैनो साइंस, सैंसर आदि रिसर्च में गुणवत्ता पर काम कर सकें, क्योंकि हम सैंसर के लिए जापान पर निर्भर हैं।

Hindustan ND 07.11.2016 P-7

एमआईटी की तरह विकसित हो आईआईटी

दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

आईआईटी दिल्ली के 47वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारत रत्न प्रो. सीएनआर राव ने रविवार को कहा कि आईआईटी को मैस्साचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की तर्ज पर विकसित करना होगा। दुनिया में कहीं भी भारत की शिक्षा की बात होती है तो वहां सबसे पहले आईआईटी का ही नाम लिया जाता है लेकिन इसकी गुणवत्ता में और सुधार की आवश्यकता है।

1,964 को मिली डिग्री

दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों 1,964 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इसमें 264 छात्र पीएचडी, 109 एमबीए, 569 एमटेक (इंटीग्रेटेड डिग्री) और 621 बीटेक के छात्र शामिल थे।

चार छात्रों को मिले गोल्ड मेडल

दीक्षांत समारोह में चार छात्रों को गोल्ड मेडल दिए गए। इनमें बीटेक छात्र रघुवंश राज सक्सेना को प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल, बीटेक छात्रा पूजा कुदेसिया को निदेशक गोल्ड मेडल, एमटेक छात्र कंधलागुंटा श्रीधर रेड्डी और एमटेक छात्र अभिनव गुप्ता को डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड अवार्ड दिया गया। 13 छात्रों को सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रो. राव ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र पर ही देश का भविष्य निर्भर है। सरकार को इसकी बेहतरी के लिए हर संभव काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईआईटी सिर्फ एक संस्थान भर नहीं है बल्कि यह एक संस्कृति है, एक ब्रांड है। यहां से बाहर जाकर छात्रों को इस ब्रांड के मूल्य को बनाया रखना होगा।

Hindustan Times ND 07.11.2016 P-7

IITs should get more autonomy: Scientist

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: : Bharat Ratan CNR Rao said Indian Institute of Technology (IITs) are "prized brands" of the country while asking government to become an enabling agency by giving more autonomy and funding to the institutions.

He also said that the government should not indulge in frequent policy changes with regards to IITs.

"Unfortunately we are not independent entity. IITs are government's prized brand. Unless they support IITs and give better funding I see no future of Indian science and technology. Funding that is enough to maintain its high quality, to experiment new innovations in IIT is key," Rao, an eminent scientist, said on Sunday.

Rao was addressing the students at the 47th Convocation of IIT-Delhi.

"They should not say 'IIT you take care of yourself. Government has to support so that quality of IITs is maintained. Our directors, chairmen and such people who run IITs must be given more autonomy. I do not think government can run good institutions. Government is an enabling institution," he said.

This year IIT-D conferred 264 PhD degrees, the highest for the IIT so far, apart from 109 MBA, 569 MTech and 621 BTech.

Rao also said, "The only thing people know about Indian education wherever you go is IIT. Everybody in India, including the government, should realize that we should not lose the brand value."

Director Ramgopal Rao said two new hostels (boys and girls) and a sports facility are being started in the campus. Kumar Mangalam Birla, chairman, Board of Governors, IIT-D, also addressed the students on the occasion.

Tribune 07.11.2016 P-7

IIT students not up to mark, coaching centres blamed

SEEMA KAUL
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, NOVEMBER 6

Holding coaching centres responsible for students at IITs not being up to the mark, Bharat Ratna Prof CNR Rao said the format of the Joint Entrance Exam has to be changed.

Replying to a query on difference between engineering graduates of today and from 20 years ago, he said, "The quality of students at IITs has come down because of coaching classes. This year, 2,000 first year students have flunked because they are not up to the mark. The exam system is ridiculous, you have to change format of the selection test (for IITs). We have to find ways of easing pressure on students."

More needs to be done to change the present (exam) system, he said adding, "In America, they have one exam. How are they picking our best Indian students without any effort? We should learn how to do that. There are many ways of improving the system. You don't have to torture students to take an exam. They commit suicide if they don't pass, why should they do that?"

The scientist, who was the chief guest at the convocation ceremony of IIT-Delhi held today, was not in favour of foreign faculty coming to India. "You can't expect foreign faculty to solve Indian problems," he said.

IIT to recruit faculties from around the world

https://www.brainbuxa.com/education-news/iit-to-recruit-faculties-from-around-the-world

IIT (Indian Institute of Technology) would carry out faculty recruitment drive across the world. The move comes to enhance the global ranking of the institute and to engage highly qualified facilities.

"To ensure that the global ranking of the IITs improve, it is important not only to have foreign students at the same time have international faculty. We are planning to start the foreign recruitment drive across the globe and the same would start from US from January" said the Director IIT (D) V Ramagopal Rao.

The recruitment process will attract skilled persons from foreign universities to teach in Indian campuses.

On Sunday the institute held its 47th Convocation. Bharat Ratan CN Rao was the Chief Guest for the convocation. The instituted announced increase in number of student for the PhDs. The same would go from 2500 to 5000 in the next three years. "The increase would be done in phases so that the quality of R& D doesn't suffer". Added V Ramagopal Rao.

Virat Veibhav ND 07.11.2016 P-15

DRDO signs MoU with IIT Delhi to establish JATC

http://www.voicendata.com/drdo-signs-mou-with-iit-delhi-to-establish-jatc/

NEW DELHI: Defence Research & Development Organisation (DRDO) signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Indian Institute of Technology (IIT), Delhi to establish a 'Joint Advanced Technology Centre' (JATC) at a function held in IIT, Delhi on 04 November 2016.

JATC will be located in the campus of IIT Delhi at the upcoming Science and Technology Park (Mini-Science Park 'MSP').

Secretary, Department of Defence R&D and Chairman DRDO Dr. S Christopher, signed the MoU with the Director IIT Delhi Prof. V Ramgopal Rao. The JATC will enable Directed, Basic & Applied Research and will engage with premier research institutes through multi-institutional collaboration.

As per the MoU, DRDO will support JATC in equipping it with advanced and unique research facilities that will enable the faculty and scholars to conduct advanced research and transform the JATC as Centre of Excellence. DRDO scientists and engineers will work with the academic research faculty and scholars in addressing scientific problems to find an innovative solution. DRDO will facilitate towards advanced research to utilize technology outcome in the futuristic applications.

The objective for creation of JATC is to undertake and facilitate multi-disciplinary directed basic and applied research in the jointly identified research verticals. The researchers will get the opportunity to work in advanced areas of research namely Advanced Materials for Ballistic Protection, Advanced Mathematical Modelling and Simulation, Advanced Electromagnetic Devices and Terahertz Technologies, Smart & Intelligent Textile Technologies, Brain Computer Interface & Brain Machine Intelligence besides Photonic Technologies, Plasmonics and Quantum Photonics, etc. The focused research efforts at the centre will lead to realization of indigenous technologies in these critical areas, which will be used for speedy self-reliance.

Faculties and researchers in various Engineering and Science departments of IIT Delhi will participate in the research programme/projects of the Centre. JATC may also involve other premier institutions in the region, based on their research strengths.

Pioneer ND 07.11.2016 P-3

Hotels, restaurants biggest contributors: IIT-Kanpur

RAJESH KUMAR ■ NEW DELHI

Delhi's hotels and restaurants are the biggest contributors to air pollution in the national Capital, says finding of a study conducted by IIT-Kanpur on increasing levels of air pollution in Delhi. There are approximately 9,000 hotels/restaurants in the city which use coal (mostly in tandoors) and the PM emission in the form of fly ash from this source is large, worsening city's air quality. It is proposed that all restaurants with sitting capacity of more than 10 should shift to electric or gas-based appliances.

The second biggest polluter is domestic sector. Although Delhi is kerosene free and 90 per cent of the households use LPG for cooking, the remaining 10 per cent use wood, crop residue, cow dung, and coal for cooking (Census-India, 2012).

The vehicular pollution is also the largest source and most consistently contributing to rise in PM10 and PM2.5 in winters. "Various control options — including the implementation of BS VI, introduction of electric and hybrid vehicles, traffic planning and restriction of movement of vehicles, retro-fitment in diesel exhaust, improvement in public transport, etc — have been proposed and their effectiveness has been assessed," said the IIT report.

Another major contributor to air pollution is Mass Solid Waste (MSW) burning. One of the reasons for burning MSW is lack of infrastructure for timely collection of MSW and it is conveniently burned or it may smolder slowly for a long time.

As per the report, infrastructure for collection and disposal (landfill and waste to energy plants) of MSW has to improve and burning of MSW should be banned completely.

The massive construction/demolition works in Delhi is also contributing to air pollution. Another polluter is ready mix concrete batching, used for construction activities.

The fifth biggest polluter is identified as coal and fly ash. In summer, coal and flyash contribute about 30 per cent of PM10 and unless sources contributing to flyash are controlled, one cannot expect significant improvement in air quality.

The soil and road dust is also contributor to air pollution. In winter, this source can contribute about 26 per cent to PM10 and PM2.5. The silt load on some of the Delhi's road is very high and it can become airborne with the movement of vehicles. The estimated PM10 emission from road dust is over 65 tonnes per day.

Industries and Diesel Generator Sets also come in the list of major polluter. Several measures have been taken to control emissions in the industry (including relocation), especially in small and medium size industries, the report says.

Secondary particles, which are major contributors to PM level, are expected to source from precursor gases (SO_2, and NO_x) which are chemically transformed into particles in the atmosphere. Mostly the precursor gases are emitted from far distances from large sources. For sulfates, the major contribution can be attributed to large power plants and refineries. The Northwest wind is expected to transport SO_2 and transform it into sulfates emitted from large power plants and refineries situated in the upwind of Delhi. However, NO_x from local sources, especially vehicles and power plants, can also contribute to nitrates.

There are 13 thermal power plants (TPPs) with a capacity of over 11,000 MW in the radius of 300km of Delhi, which are expected to contribute to secondary particles.

Based on a study conducted in 2013, it was shown that power plants contribute nearly 80 per cent of sulfates and 50 per cent nitrates to the receptor concentration. A calculation assuming 90 per cent reduction in SO_2 from these plants can reduce 72 per cent of sulphates, the report further states.

IIT K to get manufacturing centre under Make in India initiative

https://www.brainbuxa.com/education-news/iit-k-to-get-manufacturing-centre-under-make-in-india-initiative

The Union Ministry of Heavy Industries and Public enterprises is tying up with IIT (Kharagpur) to establish a centre of excellence on advanced manufacturing for heavy industries. The same is being done under the Make in India initiative.

Babul Supriyo, Union Minister of state for Heavy Industries and Public enterprises said that "East has a dearth of centers of excellence as compared to west and southern India. Being a representative from the east, I am committed to bring the benefit of the centre schemes here".

Joint Secretary of the department Vishvajit Sahay said that "through this centre, local industries would work with IIT K for the requirement of heavy machinery".

Director IIT K said that "The centre would look into the current and future research and development needs of heavy industries. High quality standards would be maintained in the centre".

"The institute will focus on R&D and share the same with the industries for commercialization. We will also promote the start ups", the director added.

The centre of excellence will receive 80% of the funding from the centre and the rest has to be raised by the stakeholders.

Business Line ND 07.11.2016 P-18

IIT Kharagpur blacklists 8 start-ups

Kolkata, November 6

The Indian Institute of Technology-Kharagpur has barred as many as eight start-ups from taking part in their campus recruitment drives after they backed out of job offers last year. "They had withdrawn or cancelled the offers last year so this year they will not be visiting the campus," said the institute's placement chairman Debasis Deb. A total of 31 start-ups have been blacklisted by IITs across the country. IANS

Business Standard(Hindi) 07.11.2016 P-11

आईआईटी संस्थानों के लिए पसंदीदा नहीं रहे स्टार्टअप

आईआईटी संस्थान पिछले साल के ब्लैकलिस्ट प्रकरण के बाद इस बार अपने छात्रों को बुनियादी क्षेत्रों की कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों में ही जाने की दे रहे हैं नसीहत

बीएस संवाददाता

देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शामिल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में कैंपस प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराने वाली स्टार्टअप कंपनियों की संख्या में इस बार करीब 50 फीसदी गिरावट आई है। हालत यह है कि स्टार्टअप क्षेत्र की बड़ी कंपनियों फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, ओला और पेटीएम ने भी अभी तक युवाओं को नौकरी देने के लिए आईआईटी जाने में कोई रुचि नहीं दिखाई है।

माना जा रहा है कि पिछले शैक्षणिक सत्र में कई स्टार्टअप कंपनियों की तरफ से युवाओं को नौकरी की पेशकश करने के बाद जिस तरह से नियुक्ति देने में टालमटोल की गई, उसे देखते हुए आईआईटी संस्थानों ने भी उनके प्रति नकारात्मक रवैया अपना लिया है। विवाद बढ़ने पर आईआईटी ने 31 कंपनियों को प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोक दिया था। इन संस्थानों का कहना था कि ये कंपनियां छात्रों के करियर से खिलवाड़ कर रही थीं। जॉब ऑफर में अंतिम समय में बदलाव करने के साथ ही नियुक्ति की तारीख भी बदलने के मामले सामने आए थे। यहां तक कि कुछ कंपनियों ने तो अपने ऑफर लेटर ही वापस ले लिए थे। इसे देखते हुए पेपरटैप, पोर्टी मेडिकल, हॉपस्कॉच, ग्रोफर्स, स्टेजिला, रोडरनर और जोमेटो जैसी कंपनियों को प्लेसमेंट में शामिल होने से एक साल के लिए रोक दिया गया है।

पिछले साल के कटु अनुभवों से सबक लेते हुए इस बार आईआईटी की प्लेसमेंट कमेटी ने नियुक्ति के लिए आने की इच्छा जताने वाली स्टार्टअप कंपनियों की स्क्रीनिंग भी शुरू कर दी है। इस वजह से आईआईटी मद्रास में प्लेसमेंट के लिए केवल 54 स्टार्टअप ही पंजीकरण करा सके हैं जबकि पिछले साल यह संख्या 98 रही थी।

कुछ ऐसी ही हालत आईआईटी कानपुर की भी है। वहां की प्लेसमेंट कमेटी के एक सदस्य ने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट में आने की इच्छा रखने वाली कंपनियों की स्क्रीनिंग की जा रही है जिसमें उनकी फंडिंग, नकदी प्रवाह और स्थापना वर्ष के साथ ही उनके कारोबार की स्थिरता को भी परखा जा रहा है। दरअसल आईआईटी संस्थानों की कोशिश यही है कि केवल गंभीर किस्म के स्टार्टअप ही प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल हों ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी तरह का खिलवाड़ न हो सके।

पिछले सत्र के खराब अनुभव को देखते हुए इस बार आईआईटी संस्थान अपने छात्रों को नई कंपनियों के ऑफर को लेकर आगाह रहने की भी नसीहत दे रहे हैं। इतना ही नहीं, ये संस्थान अपने छात्रों को बुनियादी क्षेत्रों की कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को तरजीह देने की भी सलाह दे रहे हैं।

प्लेसमेंट प्रक्रिया में स्टार्टअप कंपनियों की कम संख्या के बावजूद छात्रों को मिलने वाले ऑफर में कमी आने की कोई आशंका नहीं है। प्लेसमेंट की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होने से पहले मिलने वाले ऑफर में इस बार 20 से लेकर 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है।

Financial Express ND 07.11.2016 P-12

Samsung Innovation Awards held at IIT Bombay

Samsung India conducted the sixth annual edition of Samsung Innovation Awards 2016 at IIT Bombay last week. These aim to recognise revolutionary innovations. The first prize went to the team comprising Shalaka Kulkarni, Umang Chhaparia and Mustafa Lokhandwala. Their work was on road quality measurement, monitoring and mapping solution. Javed Shaikh won the second prize for proposing new materials to cool electronic equipment. The duo Ritesh Saurabh and Kumar Pratik won the third prize for designing smart trash cans to expedite garbage collection. Samsung R&D Institute Bangalore will engage with winners to further develop the innovations.